लोगों की राय कहीं सुंदरता बरकरार, कहीं गंदगी बनी परेशानी

जबलपुर के तालाबों की बदलती तस्वीर

देवताल

सूपाताल

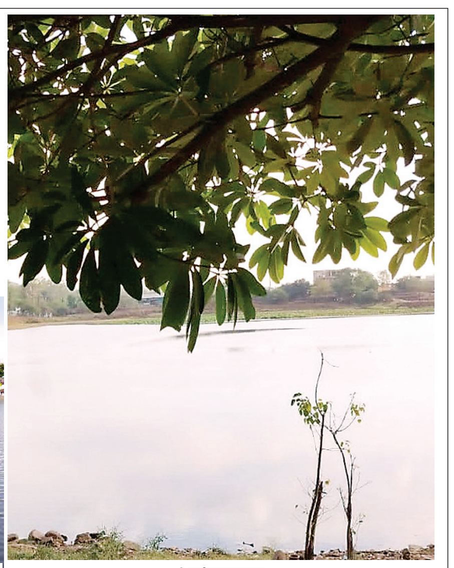

आधारताल

जलपरी

नवभारत जबलपुर। जबलपुर शहर अपने ऐतिहासिक और प्राकृतिक तालाबों के लिए जाना जाता है। ये तालाब न सिर्फ शहर की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और पर्यटन से भी जुड़े हुए हैं। हालांकि कई तालाबों की स्थिति को लेकर लोगों की राय अलग-अलग देखने को मिली। कहीं साफ-सफाई और रखरखाव की तारीफ हुई, तो कहीं गंदगी और अधूरे कार्यों को लेकर नाराजगी सामने आई। बात करे अगर जलपरी तालाब की तो स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां का पानी काफी गंदा रहता है और उपयोग के योग्य नहीं दिखाई देता। लोगों ने सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए। वहीं यहां मौजूद गार्ड का कहना है कि तालाब की नियमित सफाई होती है और एमपीईबी द्वारा इसकी पूरी देखरेख की जाती है। ऐसे में लोगों और प्रबंधन के दावों के बीच सच्चाई क्या है, यह जांच का विषय बना हुआ है।

आमजन होते है आकर्षित

सूपाताल को शहर के सुंदर तालाबों में गिना जाता है। यहां मौजूद फव्वारा और नियमित सफाई व्यवस्था लोगों को आकर्षित करती है। स्थानीय लोगों के अनुसार यहां समय-समय पर साफ-सफाई होती रहती है, जिससे तालाब का वातावरण काफी बेहतर दिखाई देता है। देवताल गार्डन तालाब में सफाई व्यवस्था सामान्य स्तर की बताई गई। लोगों का कहना है कि तालाब में चल रहे विकास कार्य लंबे समय से अधूरे पड़े हैं और काम पूरा होने का इंतजार अब भी बना हुआ है।

हनुमानताल की व्यवस्था पर लोगों ने जताई नाराज़गी

अधारताल तालाब को लेकर लोगों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। यहां का रखरखाव समिति द्वारा किया जा रहा है, जबकि आवश्यक व्यवस्थाएं नगर निगम उपलब्ध करा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक यहां की स्थिति अन्य तालाबों की तुलना में बेहतर है। वहीं हनुमानताल को लेकर लोगों में नाराजगी देखने को मिली। स्थानीय निवासियों का कहना है कि तालाब पहले की तरह आज भी गंदा बना हुआ है। लोगों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों और नगर निगम द्वारा किए गए वादों का असर जमीन पर दिखाई नहीं देता। सफाई और सुधार के दावे किए गए, लेकिन स्थिति में खास बदलाव नहीं आया ।हालांकि शहर के सभी तालाब अपनी-अपनी जगह पर ऐतिहासिक और प्राकृतिक सुंदरता को समेटे हुए हैं। जरूरत सिर्फ नियमित रखरखाव, साफ-सफाई और प्रशासनिक ध्यान की है, ताकि ये तालाब आने वाले समय में भी शहर की पहचान बने रहें।

इनका कहना है

जलपरी तालाब में पहले यहां लोग घूमने और समय बिताने आते थे, लेकिन अब गंदगी की वजह से रुकना भी मुश्किल लगता है। पानी की हालत देखकर लगता है कि और ध्यान देने की जरूरत है।

रौनक मेहरा

सूपा ताल का माहौल काफी अच्छा लगता है। शाम के समय यहां का फव्वारा और साफ-सफाई लोगों को आकर्षित करती है, इसलिए परिवार के साथ आना अच्छा लगता है।

अजय गुप्ता

देवताल तालाब पर काम तो काफी समय से चल रहा है, लेकिन पूरा होता दिखाई नहीं देता। अगर काम जल्दी पूरा हो जाए तो यह जगह और बेहतर बन सकती है।

साहिल यादव

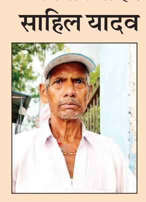

अधारताल तालव में बाकी तालाबों की तुलना में व्यवस्था ठीक दिखाई देती है। साफ-सफाई और रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है, इसलिए लोग यहां सहज महसूस करते हैं।

ज्ञानचंद केवट

हनुमानताल तालव में हर बार सुधार होने के वादे सुनने को मिलते हैं, लेकिन जमीन पर कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आता।

प्रियांश रस्तोगी

मौसम का मिजाज : सुबह से खिली धूप,शाम होते ही रिमझिम बारिश

जबलपुर। शहर में शनिवार को मौसम के कई रंग देखने को मिले। सुबह की शुरुआत तेज धूप और गर्मी के साथ हुई, जिससे लोग उमस से परेशान रहे। हालांकि, दोपहर चार बजे के बाद अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। शाम होते ही आसमान में काले बादलों ने डेरा डाल लिया और तेज हवाओं के साथ रिमझिम बारिश शुरू हो गई। वहीं लोगों को तीखी गर्मी से खासी राहत मिली। थोड़ी देर बरसी राहत की फुहारों के बाद बादल छंट गए और एक बार फिर सुनहरी धूप खिल उठी। मौसम के इस धूप-छांव के खेल ने शहर के नजारे को खुशनुमा बना दिया। शनिवार को अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 2 डिग्री कम रही। न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री पर पहुंच गया गया जो सामान्य से 2 डिग्री कम रहा । सुबह के वक्त आद्रता 42 और शाम को 38 प्रतिशत दर्ज की गई। दक्षिण-पूर्व हवाएं 4 से 5 किमी की रफ्तार से चली। मौसम विभाग ने सक्रिय मौसम प्रणालियों के असर से चौबीस घंटे में आंधी के साथ 30 से 32 किमी की रफ्तार से चलने की संभावना है ।

विशाल पेड़ जड़ से उखड़कर गिरा

शनिवार को तेज रफ्तार हवाओं और धूलभरी आंधी के चलते डुमना एयरपोर्ट मार्ग पर बबूल का एक विशाल पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गया ।

शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई हो, लापरवाही नहीं बरतें

अचानक मदनमहल थाने पहुंचे एसपी

जबलपुर। महिलाओं, बच्चों, वृद्धों एवं समाज के कमजोर वर्गो के प्रति संवेदनशील रहते हुये इनके द्वारा की गयी शिकायतों पर तत्काल विधिसंगत कार्यवाही करते हुये तत्काल राहत पहुंचाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिये। यह बातें पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने अचानक मदनमहल थाने का निरीक्षण करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने लंबित शिकायतों का शीघ्र संतुष्टीपूर्ण निकाल करने निर्देश दिए। थाने में पंजीबद्ध अपराधों की समीक्षा करते हुये लंबित अपराधों के निकाल के सम्बंध मे आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने जप्ती माल, आर्म्स एम्यूनेशन, राईट ड्रिल सामग्री का रख रखाव चैक करते हुये हवालात चैक किया, साथ ही थाने में संधारित किये जाने वाले रजिस्टरों एवं शिकायत रजिस्टर को चैक किया कि थाने में संधारित कि ये जाने वाले रजिस्टर अपडेट हैं कि नहीं। निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली रीतेश कुमार शिव एवं थाना प्रभारी मदनमहल धीरज राज उपस्थित रहे।

सीने में उठा दर्द वृद्ध की मौत

जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत पुराना कंचनपुर निवासी एक वृद्ध के सीने में अचानक दर्द उठा इसके बाद उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक विक्टोरिया अस्पताल से सूचना मिली कि रविन्द्र अग्रवाल 70 वर्ष निवासी पुराना कंचनपुर को सीने में दर्द होने के उपरांत विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसकी दौरान उपचार के मौत हो गई।

नेपाल के लिए जबलपुर होकर चलेगी भारत गौरव ट्रेन

जबलपुर, नवभारत। मध्य प्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड एक शानदार सौगात लेकर आया है। आगामी 12 जून को इंदौर से पशुपतिनाथ (नेपाल) दर्शन यात्रा के लिए विशेष भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन रवाना होगी। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह ट्रेन श्रद्धालुओं को नेपाल के धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण कराएगी। आईआरसीटीसी के संयुक्त महाप्रबन्धक (पर्यटन) राजेंद्र बोरबन ने बताया कि यह ट्रेन मध्य प्रदेश के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जिससे प्रदेशभर के यात्री इसमें शामिल हो सकेंगे। इसके मुख्य स्टॉपेज इंदौर (प्रस्थान स्थल), उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति (भोपाल), इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी और सतना रहेगा। यह पूरी यात्रा 09 रातें और 10 दिनों की होगी। इसमें न केवल काठमांडू स्थित भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कराए जाएंगे, बल्कि नेपाल के अन्य प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जैसे चितवन राष्ट्रीय उद्यान और पोखरा के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी शामिल है। वही इस विशेष ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑन-बोर्ड रेल रेस्टोरेंट है। यात्रियों को ट्रेन के भीतर ही बने आलीशान रेस्टोरेंट में भोजन परोसा जाएगा। पैकेज सर्व समावेशी है।

प्रवेश प्रक्रिया पर उठ रहे सवाल, 700 से ज्यादा सीटें खाली

जबलपुर, नवभारत। शिक्षा के अधिकार के तहत इस सत्र में भी प्रवेश प्रक्रिया अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी। जिले में लगभग 3500 सीटें आरक्षित थीं, लेकिन लंबी आवेदन प्रक्रिया और समय सीमा बढ़ाने के बावजूद केवल 2754 बच्चों का ही प्रवेश हो पाया, जबकि 700 से अधिक सीटें खाली रह गईं। आवेदन की अंतिम तिथि पहले 31 मार्च थी, जिसे कम आवेदन और तकनीकी समस्याओं के कारण बढ़ाकर 25 अप्रैल किया गया, फिर भी स्थिति में खास सुधार नहीं हुआ। इस दौरान आरटीई पोर्टल के बार-बार डाउन होने और कई स्कूलों द्वारा समय पर सीट लॉक न करने जैसी समस्याएं सामने आईं, जिससे पूरी प्रक्रिया प्रभावित हुई। इसके अलावा अभिभावकों को सही जानकारी और मार्गदर्शन नहीं मिल पाने के कारण भी कई पात्र बच्चे आवेदन से वंचित रह गए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन प्रक्रिया को लेकर असमंजस बना रहा। वहीं, कुछ अभिभावकों ने पसंद का स्कूल नहीं मिलने पर प्रवेश नहीं लिया, जिससे सीटें खाली रह गईं। शिक्षा विभाग का कहना है कि बची हुई सीटों को भरने के लिए आगे भी प्रयास किए जाएंगे, लेकिन इस स्थिति ने विभागीय तैयारियों और व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

इनका कहना है

दो चरण में इसकी प्रक्रिया होती है, जिसमे दूसरे चरण में सीट्स भरती है यह प्रक्रिया पूर्ण रूप से भोपाल से की जाती है।

अरुण इंगले
संयुक्त निदेशक
शिक्षा विभाग

नाले से निकालकर बाहर छोड़ दी गंदगी

गंदी बदबू से लोग हलाकान सफाई कर्मचारियों की कार्यशैली पर लगातार उठ रहे सवाल

नवभारत,जबलपुर। नगर निगम के नाला गैंग कर्मचारियों की कार्यप्रणाली से स्थानीय जनों में आक्रोश पनप चुका है। इसकी मुख्य वजह ये है कि कर्मचारियों ने कॉफी हाउस करमचंद्र चौक के नाले को साफ तो किया लेकिन उससे निकली गंदगी, सिल्ट को कर्मचारियों ने नाले के पास ही छोड़ दिया जिससे गंदी बदबू आ रही है। स्थानीय निवासी अविनाश मोटवानी सहित अन्यजनों का कहना है कि सफाई कर्मियों से और स्वच्छता अधिकारी अंकिता बर्मन से उन्होंने कई बार नाले की गंदगी को हटाने बोला है लेकिन उसके बाद भी अभी तक गंदगी दूर नहीं की गई है। ये पहला मौका नहीं है जब नगर निगम के सफाई अमले ने नाले से गंदगी निकालकर बाहर छोड़ दी हो इसके पहले भी गुरंदी में बीच सड़क पर गंदगी कई दिनों तक पड़ी रही। जब निगमायुक्त ने मामले में हस्तक्षेप कर जिम्मेदारों को फटकार लगाई थी तब कहीं जाकर ये गंदगी हटाई गई थी। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या बार बार निगमायुक्त की फटकार के बाद ही सफाई अमला नींद से जागेगा ?